810

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप, नित्यकर्म व देवपूजन

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. सत्यनारायण व्रत कथा का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

2. पूजन में मांगलिक द्रव्यों की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

3. कलश स्थापना का प्रयोजन बतलाते हुए पूजन विधि का वर्णन कीजिए।

4. लक्ष्मी जी की स्तुति का अर्थसहित लेखन कीजिए।

5. वर्तमान में कर्मकाण्ड की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. महालक्ष्मी पूजन का वर्णन कीजिए।

2. दुर्गा जी का स्तोत्र पाठ का अर्थ सहित लेखन कीजिए।

3. उपनयन की वैज्ञानिकता पर निबन्ध लिखिए।

4. सत्यनारायण जी की आरती का लेखन कीजिए।

5. षोडश संस्कार का वर्णन कीजिए।

6. विवाह का प्रयोजन बतलाते हुए उसका वर्णन कीजिए।

7. पंचदेव पूजन में किन-किन देवताओं के पूजन का विधान है?

8. संध्या पूजन का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।